Naresh Kausik

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब–किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

Model: LKUpay

SrNo: 112-119-101-1089 / 59 Date: 22/07/2020

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/10/1984**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**07:40:00** घंटे
इष्ट	03:22:05 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India
अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:18:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:00 घंटे
साम्पातिक काल	08:34:21 घंटे
सूर्योदय	06:19:09 घंटे
सूर्यास्त	17:56:45 घंटे
दिनमान	11:37:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:18:46 कन्या
लग्न के अंश	10:04:40 तुला

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	
चैत्रादि संवत / शक	2041 / 1906
मास	कार्तिक
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	1
तिथि समाप्ति काल	07:52:04
जन्म तिथि	1
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	रेवती
नक्षत्र समाप्ति काल	19:09:20 घंटे
जन्म नक्षत्र	रेवती
सूर्योदय कालीन योग	व्याघात
योग समाप्ति काल	18:18:46 घंटे
जन्म योग	व्याघात
सूर्योदय कालीन करण	बालव
करण समाप्ति काल	18:41:04 घंटे
जन्म करण	बालव
भयात	38:38:33
भभोग	67:21:53
भोग्य दशा काल	बुध 7 वर्ष 3 मा 1 दि

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक / मन्दा
लग्न	तुला	10:04:40	———	——	——	——	नेक
सूर्य	कन्या	23:18:46	सम राशि	——	——	——	नेक
चन्द्र	मीन	24:18:35	सम राशि	——	हाँ	——	मन्दा
मंगल	धनु	09:42:59	मित्र राशि	——	हाँ	——	नेक
बुध	कन्या	22:50:18	स्वराशि	——	——	——	मन्दा
गुरु	धनु	12:02:35	स्वराशि	——	हाँ	——	नेक
शुक्र	तुला	23:59:23	स्वराशि	——	हाँ	——	नेक
शनि	तुला	21:40:41	उच्च राशि	——	हाँ	——	नेक
राहु	व वृष	04:20:03	मित्र राशि	——	——	——	मन्दा
केतु	व वृश्चिक	04:20:03	मित्र राशि	——	——	——	नेक

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	——	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	——	चंद्र	——
3	बुध	मंगल	बुध	——	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	——	——
6	बुध	बुध,केतु	केतु	——	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	——	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	——	——	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	——	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	——	——	——
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	——	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

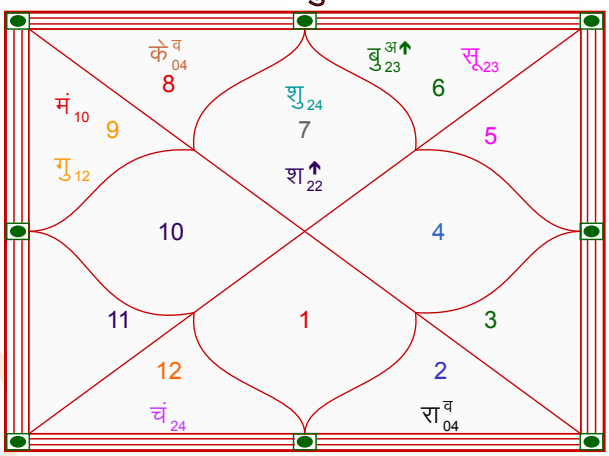

लालकिताब कुंडली

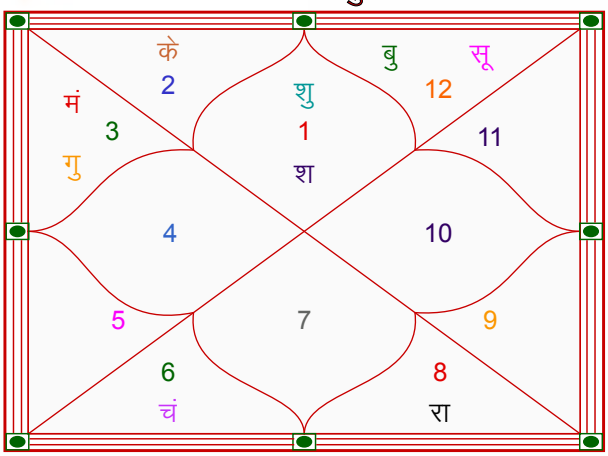

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

कुण्डली के बारहवें भाव के सूरज को ''पराई आग से जल मरने वाला'' माना है और कहा है।

''चैत्र सूरज बारह होवे,
ब्रह्मा गुरू ही होता है।
लाल चमकता गर ना
होवे लालड़ी कभी न होता है।''

उपाय :

1. सूर्य को सूर्योदय के समय जल दें और लाल मुँह के बंदरों को गुड़ चना लिखाएं।

चन्द्र

छठे भाव में चन्द्र को ''धोखे की माता'' कहा है और तासीर में ''पाताल का पानी'' तथा पूरा चन्द्र ग्रहण माना है और कहा है।

''जैसी करनी वैसी भरनी
नही की तो करके देख''।
छटे हो चन्द्र तो बारह देख,
आठवें दूजे चौथे देख।

उपाय :

1. चन्द्रमा का दान ना करें (चांदी, पानी, चावल, दूध, विद्या)

मंगल

कुण्डली के तीसरे भाव के मंगल को ''लोगों के लिए फलों का जंगल व अपने आपके लिए सब्जकदम'' माना है।

''दोस्त नौवे हो ग्यारह
या कि सातवें।
मंगल तीजे सबसे बरते
बरतेगा वह शहद में।।''

उपाय :

1. केशरिया भात (पीले–मिठे चावल) मंदिर में खडे होकर बाँटे।
2. आजीवन शाम को हनुमान जी को दीपक लगाएं।
3. अपने भाईयों से प्रेम से रहो।

बुध

बारहवें भाव में बुध को ''नेक तबियत का मालिक मगर किस्मत के फेर से रात की नींद उजाड़ने वाला'' माना है और कहा है।

''बुध जब बैठा बारह में
तो रेत बरसाने लगा।
बारह–छह से सब ही
भागे कुत्ता हड़काने लगा।।''

उपाय :

1. उल्टे हाथ की मध्य उंगली में लोहे का बेजोड़ छल्ला पहनें।
2. सुबह सबसे पहले खड़ी मूँग के दाने चबाएं।
3. कष्ट होने पर चाँदी का तार नाक में पहने/गले में सोना पहनें।

गुरु

कुण्डली में तीसरे घर के वृहस्पति को ''गरजता शेर और खानदानी गुरू'' माना है और कहा है।

त्रिलोकीका मालिक होगा,
वृहस्पति जो तीजे बैठा हो।

उपाय :

1. शेरवाली माता को दीपक लगाकर ध्यान करें।
2. कन्या भोज कराऐं और अपने खानदान से मिल जुल कर रहें।

शुक्र

प्रथम भाव में शुक्र को ''रूखसारा व रंग बिरंगी माया'' माना है और कहा है।

''शुक्र पहले काना गिनते
शनि नजर का मालिक है।
फल दोनों का एक सा
मन्दा प्रबल होता शनि का है।।''

उपाय :

1. वजन से ज्यादा सफेद ज्वार का दान करें।
2. अपना आचरण ठीक रखे और नहाने में दही का उपयोग करें।
3. गौ सेवा करें और दिन के समय कभी सहवास ना करें।

शनि

पहले घर में शनि को ''हलक का कौवा, तीन गुना शुभ या तीन गुना अशुभ'' माना है और कहा है।

''शनि शुक्र घर पहले बैठे
कागरेखा कहलाती है।
मालिक ख्वाह हो तख्त
हजारी मिट्टी कर दिखलाती है।''

उपाय :

1. 200 ग्राम काला सूरमा दिन के समय जमीन में दबाएं।

राहु

कुण्डली में आठवें राहु को ''कड़वा धुँआ और मौत का पैगाम माना है और कहा है।

''राहु घर आठवें होवे,
घोड़ा चढ़े घर छतां।
किस्मत की दो पल्टी होवे,
दीवारें खड़ी बिन छतां।।''

उपाय :

1. 4 किलो एल्युमिनीयम और 4 नारियल तेज बहते पानी में प्रवाहित करें।
2. चाँदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखे।
3. घर में धुँआ ना करें।

केतु

द्वितीय भाव में केतु को ''अच्छा हुक्मरान व मुसाफिर'' माना है और कहा है।

''घूमती किस्मत सही पर
नेक और सम्पन्न हो।
सफर उसका बहुत लिखा,
हुक्मरान आसूदा हो।।''

उपाय :

1. कान में सोना धारण करें।
2. कन्या भोज कराएं।
3. माथे पर पीला तिलक लगाएं।